

DPN 6623

पिण्ड उद्घात PINDA UDHĀLA

Title :

Run. No. 7353

Cat. No. 11

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 13.5 x 6.3

Folios 11

Lines (in a page) 11

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

डा. कमलप्रकाश मल्ल

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Dr. Kamala Prakash

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Malla.

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

17

10

5

5



श्रीरव्य शक्तिनमः

१॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ यस्माय न

मः ॥ ३ ॥ १॥ धर्मनाथाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ मृत्युव

नमः ॥ ३ ॥ १॥ कालाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ डीदुस्रना

य नमः ॥ ३ ॥ १॥ चित्राय नमः ॥ ३ ॥ १॥ चित्रयु

काय नमः ॥ ३ ॥ १॥ दंष्ट्राय नमः ॥ ३ ॥ १॥ वृका

यनाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ जन्तुकाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ ख

वसनाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ निलाय नमः ॥ ३ ॥ १॥ स

र्वरु नक्राय नमः ॥ ३ ॥ १॥ त्वरु नद मना

य नमः ॥ ३ ॥ १॥ यम विघ्न नमः ॥ ३ ॥ ० ॥

१॥ काञ्चयलभुं यिना गनयनि कुशनाथं

दं जनी नमः ॥ ३ ॥ १॥ काञ्चयलभुं

यिनामरुयूनकुश नाथ०० दीऊरनसी

ॐ नमः ॥ ३ ॥ काञ्चयलभययिना

महती विक्रमकृत नाथ ०० दीर्घ नक्षत्र

नमः ॥ १ ॥ २ काञ्चय एतन्मानाद्रयनिर्ण

८३
दृक् न न ह्येन न म ४॥३॥शंका श्रय लभतः

यिनामदियुः ॐ दं न न ह्ये न न म ३

॥ ३ ॥ २ काष्ठं ये ग्वं जु ययि तां महि रुथाना

मं ॥॥ ॐ दं रु रं नमो न नम ॥३॥ र का ग्य

यत्प्रभुं सा नाम ह वनि कृष्णनाथ ॐ दैऊ नै

नमो न नमः ॥ ३ ॥ २ काश्यपलभतु यमाना

सह. कृष्णनाथ ॐ देऊ नै

नमो न नमः ॥ ३ ॥ रकाश्वयल्लुवृद्ध
मानामुद्रकुशनाथ ॐ दीरु

नमो न नमः ॥ ३ ॥ रकाश्वयल्लुमा
नामहि गजानि ॐ दीरु नमो न नमः ॥

॥ ३ ॥ रकाश्वयल्लुयमानामहि

ॐ दीरु नमो न नमः ॥ ३ ॥ रकाश्व
यल्लुवृद्धमानामहि ॐ दीरु

नमो न नमः ॥ ३ ॥ रकाश्वयल्लुगुरु

नक्रयनिकुशनाथ ॐ दीरु नमो न नमः

॥ ३ ॥ रकाश्वयल्लुगुरुयत्नीनचना

ॐ दीरु नमो न नमः ॥ ३ ॥ रकाश्वय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु कृष्ण र ग नि चि कि

नि ॐ दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु

७ यि न र वा सा गु न डानी ॐ दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु

नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु कृष्ण सा स्र न यि ना

स्वा य य ड कृष्ण नाथ ॐ दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु

॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु सा स्र नी मा ना न कृमी नि

ॐ दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु

क नि ष सा स्र न यि ना ल यि नाथ कृष्ण नाथ ॐ

दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु क नि

ष सा स्र नी मा ना ॐ दं रु नं नमः ॥ ३ ॥ २ काष्ठयल्लु

२ काष्ठयल्लु कृष्ण यूती ल न मयी ॐ दं रु नं

यू ना डानी ३

10

5

5

10

5

5

1



१ काष्ठ यत्नतु कृत्वा यथा
 नै न ह्ये न नमः ॥ १ ॥ १ काष्ठ
 यथा यथा अनी ०० दी जर्न
 १ श्रीगणेशाय नमः
 श्रीगणेशाय नमः

२ श्री २ ॥ २ का अथ यत्न ॥ यि नायू नय नि कृ शु नाथ
ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥ २ का अथ यत्न यि ना
मह गनय नि कृ शु नाथ ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥
३ ॥ २ का अथ यत्न यि ना मह यू न कृ शु नाथ ॐ
दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥ २ का अथ यत्न मा नाथ
मा आ नि ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥ २ का अथ यत्न
उ यि ना महि दू य नि ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥
॥ २ का अथ यत्न यि ना महि दू य ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥
॥ २ का अथ यत्न यि नृ व सि आ नाथ ॥
न न ॥ ३ ॥ २ का अथ यत्न
यि नृ या नि दू य नि ॐ दं ऊर्त्त न ह्यै न नम ॥ ३ ॥ ॥ ॥

१ कांश्चयल्लमउ मा नामह
दं न न न ह्ये न न म ४ ॥

महि पूना डानि ०० दं न

१ कांश्चयल्लमउ मा तु न च
न ह्ये न न म ४ ॥ ३ ॥ २ कांश्च

नि ०० दं न न ह्ये न न म
नूक गि सि कुश ना थ ०० दं

१ कांश्चयल्लमउ सा नू पि
न न न ह्ये न न म ४ ॥ ३ ॥

ना ०० दं न न ह्ये न न म
नं क सु रि ॥ १ ॥ ग नि ह

न म ४ ॥ ३ ॥

ल्लमयि दा स कुश ना थ ००

३ ॥ २ कांश्चयल्लमउ मा ना
न न ह्ये न न म ४ ॥ ३ ॥ ॥

नं गि कुश ना थ ०० दं न
यल्लमउ मा तु ना नि न क्र म

४ ॥ ३ ॥ २ कांश्चयल्लमउ तु
न न न ह्ये न न म ४ ॥ ३ ॥

ना म पू ना कुश ना थ ०० दं

१ कांश्चयल्लमउ सा नू न मा

४ ॥ ३ ॥ २ कांश्चयल्लमउ ह
न म यि ०० दं न न ह्ये न

१ काष्ठयलमरु

२ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
लाहाकर्ये वैवशुतं मनीष्यं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
त्रिंशत्पञ्चमस्य नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नतवर्षा आया नतदस्य नीलय मन्द्यं गन्धकि
कोमिकी मन्त्रा गन्धका गन्धली पञ्चिमं कलवृ
क्रमणीयं वैवशुतं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गं तु नयतं नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गार्हका नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मी ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गन्धका नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मागानामःपितुउध लंस्त्रेयाकीःकर्म ६
काजतःनिमित्तार्थःल त्यापितुकाःकर्मलु
त्रयस्यराजनसंक लययामि ॥ ॥
२१मागानामःपितुउ धर्मा ॥